हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 28 .5 डिग्री
न्यूनतम 12 .0 डिग्री

11 शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब बम-बम ...

12 एमडीयू ने जीती ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ...

शहर में आज

- एमडीयू में रंग बहार उत्सव सुबह 10 बजे
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे
- जसिया कॉलेज में एनएसएस शिविर सुबह 10 बजे

खबर संक्षेप

ईस्माइला : मकान में मिला कंडक्टर का शव

सांपला। कस्बे के गांव ईस्माइला 9बी में मकान में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सांपला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डेड हाउस भेज दिया। पुलिस मामले में जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान ईस्माइला 9बी निवासी 45 वर्षीय मुकेश के रूप में हुई। वह अविवाहित था। पुलिस का कहना है कि रात को भी मुकेश ने अधिक शराब पी रखी थी। सुबह जब देखा तो मुकेश की मौत हो चुकी थी। मुकेश गांव की एक एकेडमी की बस में कंडक्टर की नौकरी करता था। सांपला थाना के एसएचओ पंकज कुमार ने बताया कि एक अधेड़ व्यक्ति का शव घर में मिलने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए डेड हाउस भेज दिया।

सांपला में अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

सांपला। पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान भराण निवासी अमित के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक खरखोदा मार्ग रेलवे ब्रिज के पास आया हुआ है जिसके पास अवैध हथियार है। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लिया। तलाशी ली तो उसके पास अवैध हथियार मिला।

भैणी चंद्रपाल में मकान से गहने और नकदी चोरी

महम। महम थाना क्षेत्र के गांव भैणीचंद्रपाल गांव के एक मकान से सोना-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी की वारदात सामने आई है। पीड़ित परिवार ने इसकी शिकायत पुलिस को दी है। भैणीचंद्रपाल गांव निवासी सरला पत्नी ओम सिंह ने बताया कि पति ओम सिंह साल 2008 में मृत्यु हो गई थी। वह अकेली अपने मकान के ऊपर चौबारे में रहती है। रोजाना की तरह ही वह 14 फरवरी की रात को चौबारे का दरवाजा बंद करके सो रही थी। रात को करीब 12 बजे किसी ने उसके दरवाजे को धक्का मारा। चोरों ने तीन चार धक्के मारे। जिससे दरवाजा खुल गया। तीन चार लड़के अंदर आए। मुंह पर टेप लगा दी पैरों पर शॉल बांध दिया। चोरों ने सोने की बालियां व पर्स में रखे 8-10 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

खिड़वाली गांव में मातमपुर्सी करने पहुंचे किसान सभा के पदाधिकारी

जगदीश पर टूटा दुःखों का पहाड़, स्प्रे ने खत्म कर दी 5 एकड़ फसल, हादसे में बुझ गया कुल का 'दीपक'

खराब हुई फसल, किसान ने सुनाई व्यथा

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

गांव खिड़वाली के किसान जगदीश पर दुखों को पहाड़ टूट गया। कुछ दिन इन्होंने 5 एकड़ गेहूं की फसल को खरपतवार से बचाने के लिए स्प्रे किया तो पूरी फसल जल गई। वहीं अब शुक्रवार को सोनीपत में हुई सड़क दुर्घटना में इनके कुल के दीप 'दीपक' की मौत हो गई। दीपक जगदीश का अकेला बेटा था। अब इनके पास एक विवाहित बेटी है। एक साथ हुए इन दो हादसों से किसान को पूरी तरह से तोड़कर रख दिया है। रविवार को इनके घर बेटे की मातमपुर्सी करने वालों का तांता लगा रहा है। शोक जताने किसान सभा के पदाधिकारी भी पहुंचे, तभी जगदीश ने सुबकते हुए बताया कि फसल और बेटा दोनों परमात्मा को प्यारे हो गए हैं। अब वह कहां जाए।

पट्टे पर ली थी जमीन

जगदीश ने खेती के लिए पांच एकड़ जमीन दूसरे किसान से पट्टे पर ली थी। खरीफ की फसल में उसे कोई खास लाभ नहीं मिला। गेहूं की बिजाई यह सोचकर की थी कि जमीन का पट्टा गेहूं बेचकर पूरा हो जाएगा, लेकिन ये कहां मंजूर था। अभी तक फसल ठीक थी, पर उसमें खरपतवार ज्यादा था। कुछ दिन पहले बाजार गया और दुकानदार की सलाह पर 5 एकड़ में खरपतवार खत्म करने का स्प्रे खरीद लिया। चूंकि दुकानदार भरोसे का था, इसलिए बिल भी नहीं लिए। खेत में स्प्रे किया तो कुछ दिन बाद ही फसल मुरझाने लगी और पूरी तरह झुलस गई।

कृषि विभाग को शिकायत करेगा

जगदीश ने बताया कि बेटे की रस्म होने के बाद वह फसल खत्म होने की शिकायत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में करेगा। दुकानदार ने स्प्रे का बिल देने की हां की है, क्योंकि बिना बिल के तो शिकायत भी नहीं हो सकती है।

सौ फीसदी नुकसान

हम शोक संतप्त परिवार के यहां शोक प्रकट करने गए थे तो तब किसान फसल खराब होने के बारे में बताया। इसके इसके बाद हम बर्बाद हुई फसल का खेतों में जाकर मुआयना किया और 100 फीसदी नुकसान है। इसलिए जिला प्रशासन और दवाई कंपनी ने किसान को तुरंत आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए।
-सुमित दलाल, राज्य महा सचिव, किसान सभा

कई स्कूल, कॉलेज, स्टेडियम और अस्पतालों के हजारों वाहनों का लगा रहता है आना-जाना

लाढ़ौत रोड पर बिखरी टाइलें बढ़ा रही दिक्कतें, दुकानों में घुसी धूल

- कछुआ गति से चल रहा टाइल बिछाने का निर्माण कार्य, परेशानियों से जूझ रहे लोग
- पहले सड़क के बीच में टाइल लगाने की थी योजना, लोगों ने विरोध कर रुकवा दिया था काम
- अब तारकोल की सड़क बनेगी स्थानीय निवासियों ने निर्माण कार्य जल्द पूरा करने की मांग उठी

हजारों राहगीर परेशान, सड़क से गुजरना हुआ मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

लाढ़ौत रोड पर चल रहा टाइल बिछाने का निर्माण कार्य इन दिनों क्षेत्रवासियों और राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार के चलते सड़क पर जगह-जगह टाइलें बिखरी पड़ी हैं, जिससे हजारों लोगों को रोजाना आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि काम कछुआ गति से चल रहा है, जबकि सड़क शहर की प्रमुख मार्गों में से एक है। यहां मिट्टी की वजह से उड़ती धूल ने लोगों का जीना दुश्वार किया हुआ है। डेढ माह से अधिक समय से यह दिक्कतें बनी हुई हैं। जबकि यहां से कई स्कूलों, कॉलेज, स्टेडियम और अस्पतालों में हजारों वाहनों का आना जाना लगा रहता है। जानकारी के अनुसार, एक दिसम्बर 2025 से सड़क के दोनों ओर टाइलें बिछाने का कार्य किया जा रहा है। हालांकि शुरुआत में योजना सड़क के बीचों-बीच टाइल लगाने की थी, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद उस योजना को रोक दिया गया। लोगों का कहना था कि बीच सड़क में टाइल बिछाने से यातायात बाधित होगा और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ेगी। जबकि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने तर्क दिया था कि यहां बरसात के समय जलभराव होता है इसलिए सड़क पर टाइल लगाई जा रही हैं।

रोहतक। लाढ़ौत रोड पर निर्माणधीन कार्य और सड़क से उड़ती धूल। फोटो : हरिभूमि

फिसलन और असंतुलन का खतरा बना

विरोध के बाद प्रशासन ने योजना में बदलाव करते हुए सड़क के दोनों किनारों पर टाइल लगाने का निर्णय लिया। निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण सड़क पर धूल उड़ रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। दोपहिया वाहन चालकों को खास तौर पर फिसलन और असंतुलन का खतरा बना हुआ है। कई जगहों पर गिट्टी और टाइलों के ढेर लगे होने से जाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि धूल और अव्यवस्था के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। लोग परेशान है लेकिन प्रशासन का कार्य धीमे गति से चल रहा है।

कारोबार प्रभावित, सामान हो रहा खराब

दुकानों में धूल भरने से सामान खराब हो रहा है और कारोबार पर असर पड़ रहा है। वहीं स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सड़क पार करने में काफी दिक्कत हो रही है। कई लोगों ने बताया कि निर्माण सामग्री खुली छोड़ दी जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र के निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य को तेज गति से पूरा कराया जाए। उनका कहना है कि यदि कार्य में तेजी लाई जाए और नियमित पानी का छिड़काव किया जाए तो धूल की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। साथ ही निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कारोबार करने वालों का कहना है जब सड़क बन नहीं जाती दिक्कत बनी रहेगी।

पोलंगी: दोहरे हत्याकांड में कार्रवाई

पिता-पुत्र काबू, अन्य की तलाश में छापेमारी

- गांव में दहशत का माहौल मृतकों का परिवार अभी पुलिस की सुरक्षा में
- अब आरोपी बताएंगे दोहरे हत्याकांड को किस वजह से अंजाम दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पोलंगी में हुए दोहरे हत्याकांड के बाद गांव में दहशत का माहौल है। मृतकों का परिवार पुलिस की सुरक्षा में है। साथ ही एसपी सुरेंद्र भौरिया द्वारा गठित की गई सीआईए टू की टीम ने गांव के सरपंच रणधीर और उसके बेटे अमित को गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानना चाहती है कि आखिर दोहरे हत्याकांड को किस वजह से अंजाम दिया गया। जल्द ही मामले में अन्य की गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

पोलंगी में शुक्रवार को दो सगे भाईयों को पुरानी रंजिश के कारण तेजधार हथियारों से वॉर करते हुए मौत के घाट उतार दिया था। सूचना पाकर आईएमटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। मृतकों की पहचान कर्मबीर व कुलदीप पुत्र जयनारायण के रूप में हुई। जयनारायण के 6 बेटे थे, जिनमें से तीन भाईयों की पहले ही मौत हो चुकी है और बचे हुए तीन भाईयों में से 2 की हत्या हो गई। अब एक भाई जगमेंद्र उर्फ नान्हा अकेला रह गया है, जिसे भी आरोपियों ने मारने का प्रयास किया था, लेकिन जगमेंद्र ने भागकर अपनी जान बचाई। जगमेंद्र ने शिकायत में बताया था कि वह कोर्ट में आया था और जब वापस घर पहुंचा तो देखा कि रणधीर, मनोज, दिनेश, अमित, मनोज के दोनों लड़क, सन्नी, गौरव, दिनेश की पत्नी व अमित की पत्नी हाथों में तलवार, गंडासी, ईंट व लाठियों से घर में घुसकर कर्मबीर व कुलदीप पर वॉर कर रहे थे।

फॉलो अप

जगमेंद्र ने बताया कि आरोपियों ने उसके दोनों भाइयों को मौत के घाट उतार दिया और उसे भी पकड़ने का प्रयास किया। जब वह जान बचाने के लिए भागने लगा, तो मनोज के छोटे लड़के ने गंडासी फेंक कर मारी, जो उसके दाहिने हाथ को छूते हुए निकल गई। वहीं आरोपी गौरव ने मोगरा फेंककर मारा, जिससे वह बच गया।

जगमेंद्र ने बताया कि आरोपियों से बचते हुए वह अपनी बाइक तक पहुंचा और भाग गया। जब वह वापस आया, तो देखा कि दोनों भाई कर्मबीर व कुलदीप की लाश पड़ी थी।

टी-20 वर्ल्ड कप : पाक पर भारत की जीत पर जश्न में डूबा शहर, दिवाली जैसा नजारा

रोहतक। टी-20 वर्ल्ड कप के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से करारी शिकस्त देकर न केवल अपनी बादशाहत कायम की, बल्कि शान से सुपर-8 में भी जगह बना ली है। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस महा-मुकाबले में भारतीय टीम के दबदबे के आगे पाकिस्तानी टीम पूरी तरह बेबस नजर आई। इस ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही पूरा शहर जश्न के सागर में डूब गया और सड़कों पर दिवाली व होली जैसा माहौल देखने को मिला।

ईशान किशन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मात्र 40 गेंदों पर 77 रनों की पारी खेलकर पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत किसी बुरे सपने से कम नहीं रही और पूरी टीम 18 ओवरों में महज 114 रनों पर ढेर हो गई। इसके बाद शहर में जमकर आतिशबाजी हुई, लोग सड़कों पर उतर आए और जश्न मनाया।

डिजिटल अरेस्ट से घबराएं नहीं, 1930 पर दें शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने आमजन से अपील की है कि "डिजिटल अरेस्ट" जैसे साइबर ठगी के नए तरीकों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध कॉल की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें। उन्होंने बताया कि साइबर ठग लोगों को डराकर ठगी करने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। अक्सर ठग फोन कर पीड़ित को यह कहते हैं कि उनके बेटे या बेटी को ड्रग्स या किसी अवैध गतिविधि में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। अगले ही पल कॉल करने वाला व्यक्ति खुद को नारकोटिक्स विभाग, सीबीआई या पुलिस अधिकारी बताता है और दावा करता है कि संबंधित व्यक्ति उनकी हिरासत में है। इसी तरह कई मामलों में यह भी कहा जाता है कि पीड़ित के नाम विदेश से पार्सल आया है जिसमें आपत्तिजनक सामग्री मिली है। ऐसी स्थिति में लोग डर और घबराहट में आकर ठगों के जाल में फंस जाते हैं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यह डिजिटल अरेस्ट नामक साइबर ठगी का तरीका है।

पीजीआई: एनजेडओएसीओएन के अध्यक्ष बने डॉ. रूप सिंह

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित एनजेडओएसीओएन 2026 का रविवार शाम को धूमधाम से समापन हो गया। इस भव्य सम्मेलन में नॉर्थ जोन के चिकित्सा जगत के कई दिग्गजों ने शिरकत की और अपने अनुभव साझा किए। कांफ्रेंस के दौरान डॉक्टर रूप सिंह को नॉर्थ जोन का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। डॉक्टर सिंह ने इस जिम्मेदारी को इमानदारी से निभाने का वादा किया। इसके अलावा, डॉ. आशीष देवगन को नॉर्थ जोन का वाइस प्रेसिडेंट चुना गया। डॉक्टर जितेंद्र वाधवानी को नॉर्थ जोन के लिए हरियाणा राज्य का सदस्य बनाया गया है।

राष्ट्रीय स्तर के फिल्म फेस्टिवल में छात्रों की तीन फिल्में स्क्रीनिंग के लिए चयनित

डीएलसीसुपवा की बनी फिल्म से होगी मुंबई में 19 से होने वाले कट इन फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मुंबई में 19 फरवरी से होने वाले कट इन फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के द्वारा बनाई गई फिल्म से होगी। इस फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग के लिए डीएलसीसुपवा के छात्रों की तीन फिल्मों का चयन किया गया है। इन कोर्स फिल्मों की प्रॉड्यूसर स्वयं डीएलसीसुपवा है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसिज (टीआईएसएस) की ओर से कराए जाने वाले कट इन स्टूडेंट्स फिल्म फेस्टिवल को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा हासिल है। इसका तीन दिवसीय 13वां संस्करण 19 फरवरी से चैंबुर, मुंबई में शुरू होगा। इसकी शुरुआत डीएलसीसुपवा निर्मित 'ए फ्लाइट ऑफ द लॉस्ट ड्रीमी बर्ड' की स्क्रीनिंग से होगी।

रोहतक। कट इन फिल्म फेस्टिवल के लिए चयनित तीनों फिल्म बनाने वाले छात्रों के साथ पोस्टर दिखाते एवं डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ।

फिल्म के निर्देशक व सदस्य कुलगुरु डॉ. आर्य से मिले

तीनों फिल्म के निर्देशक व टीम के सदस्यों ने डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य से मुलाकात की। डॉ आर्य ने छात्रों से तीनों फिल्मों की कहानी, थीम की जानकारी लेते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि यहां की फिल्मों का फिल्म फेस्टिवल में पहुंचना और वहां से अवार्ड लेकर लौटना सुपवा परिवार के लिए खुशी की बात है। इससे साबित होता है कि यहां विश्वस्तरीय संसाधन मौजूद हैं, जिनसे छात्र हूबहू उसी पैटर्न पर फिल्म का निर्माण करते हैं, जैसे किसी बॉलीवुड या हॉलीवुड मूवी का निर्माण होता है।

गादुई यथार्थवाद का दिखता है असर 'ए फ्लाइट ऑफ द लॉस्ट ड्रीमी बर्ड' की स्क्रीनिंग से कट.इन फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत होगी। यह एक प्रायोगिक फिल्म है, जिसकी प्रस्तुति पर जादुई यथार्थवाद का स्पष्ट प्रभाव है। साहित्य से अनुकूलित, फिल्म की कथा शैली भी प्रायोगिकता का हिस्सा है।

समाज को आईना दिखाती है 'जंगली रानी'

फिल्म 'जंगली रानी' सिनेमा की चमक-धमक के पीछे शोषण और अमानवीयता को उजागर करती है। यह कानी समाज को आईना दिखाती है कि जब कला के नाम पर संवेदनाएं कुचल दी जाती हैं तो इंसानियत हार जाती है। इसका निर्देशन नाव्या हयारण ने किया है। इसके सिनेमेटोग्राफर कार्तिक पंडित रहे, जबकि साउंड करण भारद्वाज, प्रॉडक्शन डिजाइनर सिमरन व ऋषभ अरोड़ा और कॉस्ट्यूम में रिया रही। इस फिल्म में हंशा, मोहम्मद नूरूद्दीन हसन ने अभिनय किया।

व्यापारियों को मिल रही धमकियों पर प्रतिनिधिमंडल रक्षा मंत्री से मिला

- सर्राफा व्यापारी और पूर्व विधायक से मांगी थी रंगदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा में व्यापारियों को लगातार मिल रही रंगदारी की धमकियों, आपराधिक घटनाओं और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। यह जानकारी संगठन के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग ने दी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता ने हरियाणा के व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों, खासकर औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में, व्यापारियों, डॉक्टरों, स्कूल मालिकों और शराब कारोबारियों को अज्ञात लोगों द्वारा फोन कॉल व संदेशों के जरिए फिरौती की मांग की जा रही है। धमकी न मानने पर जान से मारने, प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाने और परिवार को हानि पहुंचाने की चेतावनियां दी जा रही हैं, जिससे व्यापारी वर्ग में भय का माहौल है। प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री को अवगत कराया कि व्यापारी देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें सुरक्षा का भरोसा नहीं मिला तो निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। संगठन ने रंगदारी गिरोहों पर सख्त कार्रवाई, पुलिस गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी निगरानी और प्रभावी हेल्पलाइन की मांग की। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आश्वासन दिया कि व्यापारियों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाजार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था।

'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप

देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी

मनोज कुमार वशिष्ठ

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
बह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता

कर्म चन्द केसर

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा माँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है

बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन

पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहजे व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहजे, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

रोहतक। बालकपुरी डेरे में शिवरात्रि पर पूजा अर्चना करते बाबा कर्ण पुरी व भक्तजन।

जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई महाशिवरात्रि

शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब बम-बम भोले के गूंजे जयकारे

रोहतक। गणेश मंदिर में पूजा अर्चना करते भक्तजन। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। वैश्य कॉलेज रोड पर शिव मंदिर में पूजा अर्चना करते भक्तजन।

रोहतक। शिव मंदिर में पूजा अर्चना करने आए भक्तजन। फोटो : हरिभूमि

■ हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा शहर, शिव ध्वजारोहण के साथ दिया एकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिवरात्रि का महापर्व शहर व आसपास के क्षेत्रों में बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर विश्व में सत्यता और एकता का संदेश देने वाली सर्व महान शिवध्वजा का रोहण भी किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महापर्व के अवसर पर शहर के सभी प्रमुख शिवालयों को दुल्हन की तरह सजाया गया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर दूध, गंगाजल, बेलपत्र, पुष्प व फल अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। दिनभर रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप और भजन-कीर्तन का सिलसिला चलता रहा। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। शिवरात्रि पर सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा शहर के कई स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। सेवा भाव से युवाओं ने जल सेवा, फल वितरण और यातायात व्यवस्था में सहयोग किया। श्रद्धालुओं ने इसे शिवभक्ति के साथ सामाजिक एकता का पर्व बताया। शिवालयों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रमुख मंदिरों और मेलों में पुलिस बल की तैनाती रही, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यातायात को भी नियंत्रित किया गया।

बालकपुरी डेरा

पुरानी आईटीआई के पास स्थित बालकपुरी डेरे में शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। यहां विशेष श्रृंगार, जलाभिषेक और सामूहिक आरती की गई। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भजनों से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा।

गुफा वाला मंदिर

गुफा वाले मंदिर में पारंपरिक पूजा विधि से रुद्राभिषेक किया गया। प्राकृतिक गुफा जैसी संरचना में भक्तों ने शांत वातावरण में दर्शन किए। शिवरात्रि की रात विशेष आरती और दीप प्रज्वलन हुआ, जिससे आध्यात्मिक अनुभूति बनी।

किलोई व वैश्य कॉलेज रोड पर रहा जमावड़ा

गांव किलोई स्थित प्राचीन शिव मंदिर और वैश्य कॉलेज रोड के समीप शिवालय में दिनभर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। मंदिर परिसरों में लगे मेलों में बच्चों ने झूलों और खेलों का आनंद लिया, वहीं महिलाओं और युवकों ने जमकर खरीदारी की। पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

गौकर्ण धाम स्थित डेरा

शिवरात्रि पर गौकर्ण धाम के बाबा कपिलपुरी डेरे में विशेष पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। रुद्राभिषेक और प्रसाद वितरण के साथ आध्यात्मिक वातावरण छाया रहा। डेरे में शिवध्वजा रोहण ने श्रद्धालुओं को सत्य और एकता का संदेश दिया।

श्री प्राचीन शिव मंदिर

गौड़ ब्राह्मण कॉलेज के पास बने श्री प्राचीन शिव मंदिर में सुबह से रात तक पूजा का क्रम चला। श्रद्धालुओं ने गंगाजल व बेलपत्र अर्पित किए। मंदिर की भव्य सजावट आकर्षण का केंद्र रही। सुरक्षा और व्यवस्था के चलते श्रद्धालुओं को सहज दर्शन प्राप्त हुए।

दुर्गा भवन मंदिर

दुर्गा भवन मंदिर में शिवरात्रि पर विशेष अनुष्ठान हुए। शिव-पार्वती की झांकी और भजन संध्या ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। बच्चों और महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। भंडारे में सेवा भाव के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

पाड़ा मोहल्ला माता मंदिर

पाड़ा मोहल्ला स्थित माता मंदिर परिसर में शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही। महिलाओं ने व्रत रखकर पूजा की। बच्चों के लिए छोटे मेले का आयोजन हुआ। प्रसाद वितरण और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहा।

बजरंग भवन मंदिर

बजरंग भवन मंदिर में शिवरात्रि पर विशेष पूजा, आरती और भंडारे का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर दूध व गंगाजल अर्पित किया। बच्चों और युवाओं की भागीदारी से मंदिर परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

खबर संक्षेप

छात्रवृत्ति परीक्षा में 650 विद्यार्थियों ने लिया भाग

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में रविवार को विद्यालय स्तर पर छात्रवृत्ति परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के कुल 650 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। विशेष बात यह रही कि परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों को उसी दिन हाथों-हाथ सुना दिए गए, जिससे छात्रों और अभिभावकों में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल रहा। इस छात्रवृत्ति परीक्षा का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करना है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार खन्ना, निदेशिका सुनीता अहलावत और मैनेजमेंट सदस्या संतोष खन्ना द्वारा चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आर के खन्ना ने परीक्षा के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का महत्व समझा

रोहतक। राजकीय महाविद्यालय जसिया में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर का रविवार को दूसरा दिन रहा। स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से योग करते हुए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझा। इसके उपरांत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह से भाग लेते हुए परिसर की साफ-सफाई की तथा स्वच्छता का संदेश दिया। दोपहर के समय स्वयंसेवकों द्वारा खेल गतिविधियों के लिए क्रिकेट पिच तैयार की गई। श्रमदान के माध्यम से विद्यार्थियों ने टीम भावना और सहयोग की मिसाल प्रस्तुत की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कुलदीप के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हुआ। उनके साथ डॉ. जोगिंदर सिंह तथा एनएसएस क्लर्क जितेंद्र परमार भी उपस्थित रहे और उन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

अखिल भारतीय गोशाला पहरावर के वार्षिक उत्सव में हुआ फूलसिंह नौटंकी का सांग

रोहतक। अखिल भारतीय गोशाला पहरावर में वार्षिक उत्सव का शुभारम्भ किया गया। जिसमें सांग का उद्घाटन दीपक सुपुत्र स्व हरिकिशन महाराज ने 551000 रुपये , राजेश वशिष्ठ ठसका ने 331000 रुपये , संदीप फौगाट भालोठ ने 155555 रुपये, समस्त ग्राम सभा पिलाना ने 106200 रुपये और एक मैजिक गाड़ी सहित चक्की गंडासा 387 मण गेहूं, मोखरा खेड़ी पाना ने 111000 रुपये सहित 250 मण गेहूं, 250 मण तूड़ा, भगवान पहरावर ने 111111 रुपये, विनोद शर्मा भम्भेवा ने 11100 रुपये दान दिए। प्रधान नरेश शर्मा ने बताया कि आज कुल दान 2218394 रुपये दान आया और 4 फरवरी 15 फरवरी तक कुल दान 16000000 रुपये आया है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम 15 फरवरी तक चलेगा। आज विष्णुदत्त द्वारा फूलसिंह नौटंकी का सांग प्रस्तुत किया गया। लोगों ने बढ़ चढ़ कर दान किया। इस मौके पर ओमप्रकाश मास्टर, शिवकुमार मास्टर, राजू, सेवाराम, बिजेंद्र ब्रह्मचारी,रमेश राणा,गोविंद, सोनू, हरिओम, दीनू, चन्द्र बलियाना वासुदेव, शिवकुमार, चंद्रभान भालोठ, रामप्रकाश, जयभगवान, विक्रम बहादुरगढ़, प्रेम सिंह आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म मंदिर ट्रस्ट चांदी का 22वां वार्षिकोत्सव समारोह श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न

रोहतक। सनातन धर्म मंदिर ट्रस्ट चांदी द्वारा रामलीला ग्राउंड स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित 22वां वार्षिकोत्सव समारोह 13 से 15 फरवरी तक श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष जोगेंद्र कथूरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को ऐतिहासिक सफलता प्रदान की।

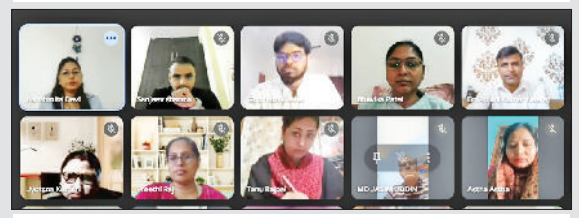

मूल्य आधारित शैक्षणिक नेतृत्व विषय पर व्याख्यान

रोहतक। शुक्र है हम शिक्षक हैं अंधेरों में जलता हुआ एक छोटा सा दीया सही इन प्रेरक पंक्तियों के साथ महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित एक माह के गुरु दक्षता कार्यक्रम के प्रातः कालीन सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. दिनेश चहल ने मूल्य आधारित शैक्षणिक नेतृत्व विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि केवल प्रतिभा या प्रसिद्धि किसी को महान नेता नहीं बनाती, बल्कि चरित्र, अनुशासन और मूल्य-दृष्टि ही स्थायी नेतृत्व की आधारशिला होती हैं। उन्होंने एल्विस प्रेस्ली और मीराबाई के उदाहरणों से आंतरिक स्थिरता और मूल्यनिष्ठा के महत्व को रेखांकित किया। इसी क्रम में सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि समान प्रतिभा के बावजूद मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता ही व्यक्ति को आदर्श बनाती है। कार्यक्रम के अगले सत्र में प्रो. सुरेंद्र कुमार ने भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

कैथल एसपी मंत्री बहस पर नवीन जयहिंद का तंजः बोले- अब न मंत्रियों की चल रही और न एसपी की

रोहतक। कैथल में कैबिनेट मंत्री अनिल विज और कैथल एसपी उपासना सिंह के बीच हुई तीखी बहस को लेकर समाजसेवी नवीन जयहिंद ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में हालात ऐसे हो गए हैं कि अब न तो मंत्रियों की चल रही है और न ही एसपी की। यह स्थिति सिपाहियों के लिए खुशी की बात है, क्योंकि अब उन्हें केवल डीजीपी या मुख्यमंत्री ही निलंबित कर सकते हैं। नवीन जयहिंद ने बताया कि कैथल में ग्रीवेंस कमेटी की बैठक के दौरान मंत्री अनिल विज ने एक एएसआई को निलंबित करने के आदेश एसपी उपासना सिंह को दिए थे। इस पर एसपी ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि यह एएसआई कैथल नहीं, बल्कि करनाल में तैनात है और यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में रही श्रद्धालुओं की भीड़

सांपला। रविवार को महाशिवरात्रि पर्व पर कस्बे व इलाके के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हरिद्वार से कांवड़ लेकर पहुंचे भक्तों ने आधी रात में ही मंदिर में कांवड़ व जल चढ़ा कर मन्नत मांगी। रविवार की सुबह ही श्रद्धालु जल ,गुड़ ,आटा ,फल लेकर मंदिर में जाने शुरू हो गए और दिन भर लाइन लगी रही। जल अभिषेक कर मन्नतें मांगी।कुछ लोगों ने व्रत भी रखा।

महाशिवरात्रि पर रोटरी क्लब रोहतक ने हवन-यज्ञ के साथ भंडारा भी लगाया

■ दोपहर तक भंडारे में भक्तों की भारी भीड़ लगी रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। भंडारे में प्रसाद वितरित करते क्लब प्रधान डॉ. सरदारी लाल वर्मा, सचिव डॉ. सुनील मुंजाल, निदेशक डॉ. आर.के. चौधरी व क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं प्रसिद्ध समाजसेवी राजेश जैन ।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रोटरी क्लब रोहतक के सदस्यों ने सुबह छोटू राम चौक पर हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया। क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं प्रसिद्ध समाजसेवी राजेश जैन ने अपने करकमलों से प्रसाद वितरण की शुरुआत की।

दोपहर तक भंडारे में भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। आयोजन में क्लब प्रधान डॉ. सरदारी लाल वर्मा, सचिव डॉ. सुनील मुंजाल, निदेशक डॉ. आर.के. चौधरी, कोषाध्यक्ष एडवोकेट अमित गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। राजेश जैन मुख्य अतिथि, डॉ. रवि गुगनानी व दीपक जैन अतिथि तथा अंशुल पठानिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

प्रजापति ब्रह्मकुमारी ने मनाई त्रिमूर्ति शिवजयंती, कलश यात्रा भी निकाली

■ कलश यात्रा प्रजापति शीला बाइपास से शुरू होकर मॉडल टाउन, सुभाष नगर से होती हुई वापस आश्रम में संपन्न हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आश्रम के परिसर में झण्डारोहण करते मुख्य अतिथि चित्रकूट सतना से बाल ब्रह्मचारी आचार्य परमानंद महाराज , समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन व बहन रक्षा ।

प्रजापति ब्रह्मकुमारी द्वारा प्रजापति ब्रह्मकुमारी इश्वरीय विश्वविद्यालय में 36 वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती पर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा प्रजापति शीला बाइपास से शुरू होकर मॉडल टाउन, सुभाष नगर से होती हुई वापस आश्रम में संपन हुई। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया काफी संख्या में शिव भक्त आश्रम में शिव की अराधना करने के लिए उपस्थित थे। समारोह के सानिध्य बहन रक्षा व चित्रकूट सतना से बाल ब्रह्मचारी आचार्य परमानंद महाराज, मुख्य अतिथि समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन ने आश्रम के परिसर में झण्डारोहण किया।

प्राचीन गौकर्ण धाम में मनाया बधाई महोत्सव

रोहतक । प्राचीन गौकर्ण धाम में रविवार को बधाई महोत्सव मनाया गया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर एवं पंचदशनाम जूना अखाड़ा के उपाचार्य गौकर्ण पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कपिलपुरी महाराज के अवतरण दिवस पर यह महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। जिसमें श्री वृंदावन धाम से आए कथा व्यास, रसिक संत चित्र-विचित्र महाराज के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। उनके गाए भजनों में कृपा की न होती जो आदत तुम्हारी...हरि का भजन करो..तू राधे-राधे बोल जरा। मेरी विनती यही है राधा रानी...। इसके साथ ही उन्होंने गुरु महिमा व संतों की बाणी भी सुनाई। जिनको सुनकर श्रद्धालु भक्तिभाव से सराबोर हो गए। बाबा लक्ष्मणपुरी डेरा परिसर में हुए इस आयोजन में संत चित्र-विचित्र को कपिलपुरी महाराज ने सम्मानित भी किया।

यज्ञ में आहुतियां डालकर मनाई चौधरी देवी सिंह की 151 वीं जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जाट शिक्षण संस्थानों के संस्थापक स्वतंत्रता सेनानी वह बड़े आर्य समाजी देवी सिंह की 151 वीं जयंती रविवार को जाट शिक्षण संस्थानों में उनके नाम से बनी यज्ञशाला में बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर तिलक नगर आर्य समाज की ओर से हवन का आयोजन किया गया वह हवन के ब्रह्मा रोशन लाल हुड्डा रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र खत्री ने बताया की चौधरी देवी सिंह का योगदान यह 36 बिरादरी नहीं भूल सकती क्योंकि उन्होंने असे वक्त में जाट शिक्षण संस्थानों को अपनी जमीन दान करी जब यहां पर एक बड़ा शिक्षण संस्थान खड़ा करने की बहुत ज्यादा जरूरत थी। इस अवसर पर समाज सेविका कविता मलिक ने बताया कि चौधरी देवी सिंह अपने वक्त के बहुत बड़े आर्य समाज रहे हैं और वह महर्षि दयानंद से प्रेरित होकर समाज के साथ जुड़े हुए थे।

सुभाष नगर में महाशिवरात्रि मनाई

रोहतक। सुभाष नगर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाल गोपाल युवा सेवा समिति द्वारा "एक शाम राधा रानी के नाम" कार्यक्रम का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक संध्या में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जतीन बत्रा ने बताया कि राधा नाम के संकीर्तन से पूरा माहौल वृंदावन सा प्रतीत होने लगा। मधुर एवं मनमोहक भजनों, सुंदर संगीत और अपार श्रद्धा के साथ श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR,
SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500,
9053005599, 9254302848
REQUIRES
❖ BAMS 2
❖ RMO 2
❖ PRO 2
❖ NURSING STAFF 4
❖ ACCOUNTANT 1
❖ COMPUTER OPERATOR 2
❖ RECEPTION 2
❖ WARD BOY 4
❖ SWEEPER 2

कार्यक्रम | दुहन पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन

अलग-अलग राज्यों की दिखी संस्कृति

■ परेशन सिंदूर की मार्मिक प्रस्तुति ने सभी को कर दिया भावुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित दुहन पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में हुए कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि आईएएस अधिकारी डॉ नवदीप सुहाग थे। विद्यालय के प्रबंधन और शिक्षकों ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, डॉ अशोक दुहन, डॉ सुनीता दुहन, डॉक्टर सुरेंद्र दुहन, प्राचार्या अनु राणा, उपप्राचार्या संतोष मलिक व बचपन स्कूल की प्राचार्या नीलम ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम का आरंभ स्वागत गीत, सरस्वती वंदना एवं गणेश वंदना से हुआ। बचपन स्कूल व स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अलग-अलग राज्यों को दर्शाते हुए रंगारंग प्रस्तुति दी। ऑपरेशन सिंदूर की मार्मिक प्रस्तुति ने सभी को भावुक कर दिया। कक्षा पहली से नौवीं एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों को शैक्षणिक परितोषित वितरण किए गए। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय में ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को ऊर्जा प्रदान करते हैं और उनके प्रतिभाओं को निखारते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है और विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को अपने जीवन में अपनानने की सलाह दी और विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी छात्रों, अभिभावकों व अन्य अवशिष्ट अतिथियों का कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने और बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक गतिविधियां भी आवश्यक

समापन अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष डॉ अशोक दुहन ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी अत्यंत आवश्यक हैं।

कला को बाजार और समाज से जोड़ने की जरूरत : प्रो. राजबीर

रंग महोत्सव कार्यक्रम में कारीगर से दीये बनाना सीखती छात्रा।

एमडीयू में रंग सृजन से रंग बहार का भव्य आगाज, फोटो व चित्रकला प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कला के कमर्शियल पहलू को पहचानने, रचनात्मकता को बाजार और समाज की जरूरतों से जोड़ने तथा रोजगार सृजन का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास के साथ किया गया रचनात्मक कार्य अपनी अलग ही छटा बिखेरता है। ये विचार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने रंग बहार के अंतर्गत आयोजित कलात्मक रंग आयाम रंग सृजन कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कला तभी सार्थक है, जब वह लोगों की जरूरतों से जुड़कर समाज को दिशा दे और रोजगार के अवसर सृजित करे। कुलपति ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमताओं को निखारना और उनमें आर्ट्स एप्रिसिएशन की समझ विकसित करना है। उन्होंने दृश्य कला विभाग में लगी फोटो प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों की कलात्मक अभिव्यक्तियों की सराहना की।

रोहतक। कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत व डीन (शैक्षणिक कार्य) प्रो. एससी मलिक।

रचनात्मकता को बढ़ावा

कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि कला विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, नवाचार और आत्म-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करती है। ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय परिसर को जीवंत बनाते हैं और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। डीन (शैक्षणिक कार्य) प्रो. एस.सी. मलिक ने कहा कि रचनात्मक कला शिक्षा का अभिन्न अंग है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है। रंग सृजन के संयोजक एवं दृश्य कला विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह दो दिवसीय आयोजन विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले में अवॉर्ड पाकर प्रफुल्लित हुए शिल्पकार

- हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम घोष ने शिल्पकारों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिल्प और परंपरा की अद्वितीय और अनूठी छटा बिखेरने के उपरांत 39वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला आज भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। रविवार को 39 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला में हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो असीम घोष के हाथों अवार्ड पाकर शिल्पकार प्रफुल्लित हुए। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रोफेसर असीम घोष की गरिमामयी उपस्थिति के साथ - साथ हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल, नगर निगम मेयर श्री प्रवीण जोशी भी इस समारोह में मौजूद रहे। पर्यटन मंत्री डा अरविंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आज का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में शिल्पकार, बुनकरों को अपनी बेहतरीन कला प्रदर्शित करने के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मानित: परंपरागत श्रेणी के अंतर्गत तेलंगाना राज्य के शिल्पकार गड्डम बाला को उनके उत्कृष्ट इकट शिल्प के लिए चुना गया है। साथ ही 11000 रुपए की धन राशि का चेक प्रदान किया गया। कला रत्न श्रेणी में ओडिशा राज्य के प्रसिद्ध शिल्पकार दामोदर फतेह सिंह को पट्टचित्र कला में उत्कृष्ट योगदान के लिए चयनित किया गया है। साथ ही 11000 रुपए की धन राशि का चेक प्रदान किया गया।

खबर संक्षेप

रोहतक। पौधरोपण करते हरिमोहन, राजेन्द्र प्रसाद व अन्य।

शहीदों की याद में किया पोधरोपण

रोहतक। आज का दिन सिर्फ मोहब्बत का नही, बल्कि मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों को याद करने का दिन है, इस पावन स्मृति दिवस पर ई एस आई डिस्पैंसरी हाउसिंग बोर्ड कालोनी मे शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए समाजिक नागरिकों ने पौधारोपण अभियान के तहत पौधे लगाकर नमन करते हुए प्रधान सेवक प्रवीन सहगल आर डब्ल्यू ए सुभाष नगर, समाजसेवी जसबीर कुमार ने कहा कि 14फरवरी 2019का वह दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना से अंकित एक अमिट स्मृति है,राष्ट्रभूमि की रक्षा के लिए प्राणों का उत्सर्ग करने वाले हमारे 40वीर जवानों का अद्वितीय साहस , अटूट संकल्प और राष्ट्र भक्ति सदैव भारत की आत्मा मे स्पंदित होती रहेगी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हरिमोहन, राजेन्द्र प्रसाद, प्रवीन सहगल आर डब्ल्यू ए सुभाष नगर प्रधान सेवक, समाज सेवी जसबीर कुमार, भूषण वधवा, धर्म सिंह प्रजापति, सदा राम, विरेन्द्र सिंहमार,मनीष,मोनू, राधिका, पूजा, वंशिका, आजाद सिंह, विरेन्द्र शर्मा,पवन कुमार ने नमन करते हुए उनकी शहादत को सलाम किया।

देशभर के 130 से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 800 धावकों ने भाग लिया

एमडीयू ने जीती ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता

एमडीयू के धावकों की टीम ने 35 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी (एमडीयू) ने अपने परिसर में आयोजित आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रॉस कंट्री पुरुष प्रतियोगिता में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर के 130 से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 800 धावकों ने भाग लिया, जिससे प्रतियोगिता अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक रही। उत्कृष्ट सहनशक्ति, तालमेल और टीम भावना का प्रदर्शन करते हुए एमडीयू के धावकों की टीम ने 35 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 61 अंकों के साथ शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जबकि 62 अंकों के साथ वीबीएस पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर की टीम तृतीय स्थान पर रही। द्वितीय और तृतीय स्थान के बीच कम अंतर ने प्रतियोगिता को और अधिक रोचक बना दिया। व्यक्तिगत वर्ग में छत्रपति शाहू महाराज यूनिवर्सिटी कानपुर के अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रयागराज के राकेश द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि मंगलौर यूनिवर्सिटी के आदेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भाग लेते खिलाड़ी।

विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत।

खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में किया तथा विजेताओं को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खेल को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए खिलाड़ियों को अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहेगा, ताकि युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर मिल सकें। इस अवसर पर अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) प्रो. एस.सी. मलिक तथा कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय खेल परिषद अध्यक्ष डॉ. राजवंती शर्मा, खेल परिषद की सचिव डॉ. शकुंतला बेनीवाल, सहायक खेल निदेशक डॉ. तेजपाल तथा एथलेटिक कोच डॉ. रमेश सिंधु सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, प्रशिक्षक, प्रतिभागी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का सफल संचालन एवं समन्वय एथलेटिक कोच डॉ. रमेश सिंधु के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

हॉकी चैंपियनशिप में किशोरी कॉलेज ने जीता स्वर्ण पदक

रोहतक। स्टेट इंटर कॉलेज हॉकी चैंपियनशिप में महारानी किशोरी जाट महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। किशोरी कॉलेज के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता नरवाना में आयोजित की गई। फाइनल मुकाबले में महारानी किशोरी जाट महाविद्यालय ने खेल विश्वविद्यालय राई सोनीपत को 2-0 से हराया। कोच डॉ. मनीष सैनी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया इससे पहले भी शानदार प्रदर्शन करके खिलाड़ियों ने महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

रोहतक। जीत के बाद मौजूद किशोरी कॉलेज के खिलाड़ी।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में रोहतक की मोनिका, मनीषा व साक्षी ने शानदार प्रदर्शन किया

रोहतक। ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिहार यूनिवर्सिटी ने तीसरा स्थान हासिल किया। बिहार यूनवर्सिटी की ओर रोहतक के रिटौली की गांव की लड़कियों ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह प्रतियोगिता धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई। इसमें रिटौली गांव की मोनिका, मनीषा व साक्षी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। साक्षी ने बेस्ट कैचर का अवार्ड जीता।

खिलाड़ियों की जीत से उनके परिवार में खुशी का माहौल

कोच प्रेम ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके प्रदेश व जिले का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि मोनिका व मनीषा रेडर है। वहीं, साक्षी कैचर है।

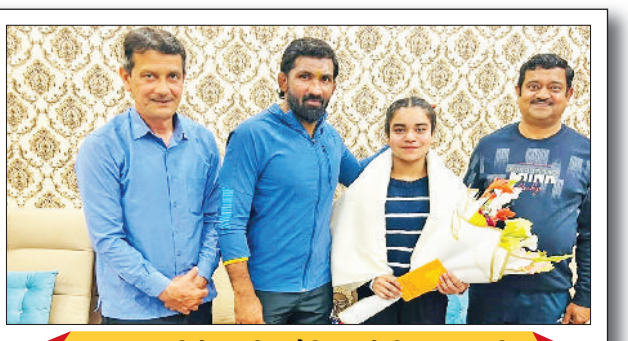

रजत पदक विजेता दृष्टि कौशिक को किया सम्मानित

रोहतक। महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय की छात्रा दृष्टि कौशिक ने हाल ही में मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) में आयोजित नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी भारोत्तोलन प्रतियोगिता 2025-26 में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर समाजसेवी बिजेंद्र हुड्डा द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में दृष्टि कौशिक को योगेश्वर दत्त ने पुष्पगुच्छ व नगद राशि भेंटकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। योगेश्वर दत्त ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं।

राजस्थान ने हरियाणा को 53 रन से हराया

रोहतक। चौधरी बंसीलाल स्टेडियम लाहली में खेले गए सीके नायडू ट्रॉफी के मैच में राजस्थान ने हरियाणा को 53 रन से हराया। राजस्थान की ओर से गणेश ने पूरे मैच में सात विकेट लिए। वहीं हरियाणा की ओर से आयुष ने 9 और विवेक ने सात विकेट लिए। तीसरे दिन राजस्थान ने एक विकेट के नुकसान पर 87 रन से आगे खेलना शुरू किया। पिछले दिन के स्कोर तीन रन जोड़ने के राजस्थान ने 90 रन पर लगातार दो विकेट गंवा दिए। 111 रन के स्कोर पर राजस्थान की आधी टीम पेवेलियन लौट गई। उसके बाद भी लगातार विकेट गिरते गए और पूरी टीम 196 रन पर पूरी टीम ऑलआउट हो गई। हरियाणा को 218 रन का लक्ष्य मिला। राजस्थान की ओर से सुमित ने 33 व सचिन ने 31 रन बनाए। हरियाणा की ओर से आयुष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। इसके अलावा विवेक कुमार ने तीन और आरव ने दो विकेट लिए।

- हरियाणा के आयुष ने 9 और विवेक ने 7 विकेट लिए, टीम को जीता नहीं पाए

सेवा कार्यों में सक्रिय रहने का किया आह्वान

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर का समापन हुआ। सात दिनों तक चले इस शिविर में स्वयंसेवकों ने सेवा, अनुशासन और समर्पण की भावना के साथ विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा ने स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है। एनएसएस विद्यार्थियों को समाज की वास्तविकताओं से जोड़कर उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाती है। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को भविष्य में भी सेवा कार्यों में सक्रिय रहने का आह्वान किया तथा शिविर के सफल आयोजन के लिए एनएसएस अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन एनएसएस अधिकारी डॉ. मनीषा कौशिक द्वारा किया गया।

पेंशल बहाली के लिए विधायकों को संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

रोहतक। हरियाणा में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली को लेकर कर्मचारियों ने एक बार फिर बिगुल फूंक दिया है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के बैनर तले जिला कार्यकारिणी ने आगामी विधानसभा बजट सत्र से पहले जिले के विधायकों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष अनिल स्वामी और महासचिव संजय सिंहमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रोहतक विधायक बीबी बत्रा, महम विधायक बलराम दांगी, कलानौर विधायक शकुंतला खटक और बेरी विधायक रघुवीर कादियान से उनके आवास पर मुलाकात की। समिति के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी एनपीएस और हाल ही में घोषित यूपीएस को सिरे से नकारते हैं। उनकी एकमात्र मांग ओपीएस की बहाली है।

बाबा मस्तनाथ नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान बने सोमबीर

रोहतक। बाबा मस्तनाथ नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें दो पैनल ने भाग लिया। चुनाव में सोमबीर प्रधान के पैनल ने विजय प्राप्त की। सोमबीर प्रधान को 158 वोट मिले जबकि सूबेदार जयसिंह महासचिव को 157 वोट मिले। नरेंद्र रोज प्रधान को 153 वोट मिले और कोषाध्यक्ष मास्टर आजाद सिंह को 154 वोट मिले। मेहर चंद प्रधान के पैनल की हार हुई। जिसमें मेहर चंद को 31 वोट मिले। कृष्ण चंद्र उप प्रधान को 33 वोट मिले। प्रदीप सोलंकी महासचिव को 31 वोट और कोषाध्यक्ष अशोक देशवाल को कल 35 वोट मिले। मस्तनाथ नगर का चुनाव जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त प्रशासक कर्नल कृष्ण चंद्र एवं उसकी टीम की देखरेख में शांति पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सोमबीर पैनल को जीत का प्रमाण पत्र दिया गया।

डॉ. अनिल शास्त्री वैदिक विश्वसभा के प्रधान बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैदिक विश्वसभा की विशेष नैमित्तिक बैठक रविवार को बस अड्डे के सामने स्थित श्री राम शर्मा पार्क में सभा के संरक्षक प्रो. महावीर धीर शास्त्री की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व प्रधान डॉ. स्वतंत्रानन्द शास्त्री के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद डॉ. अनिल शास्त्री को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया।

बैठक में दिल्ली जाकर मंत्रियों को बेरोजगारी, अपराध, नशाखोरी, युवाओं में बढ़ते रोग, प्रदूषण व पर्वों के विकृत स्वरूप पर समाधान हेतु ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। विशेष प्रस्ताव में सब समस्याओं का एक समाधान गुरुकुल शिक्षा के तहत देश में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली लागू करने की मांग की गई। सभा ने गांव-नगर व शिक्षण संस्थानों में जनजागरण का संकल्प लिया। सभा में विशेष रुप से अखिल भारतीय दलित पिछडे संगठन के उपप्रधान शान्ताकुमार आर्य , भारतीय शिक्षण मंडल प्रकाशन प्रमुख डॉ बलवीर शास्त्री, डॉ शमशेर तोगडिया, महापुरुष स्मृति परिषद् के अध्यक्ष जसवीर मलिक, डॉ जगदेव सिंह, डॉ खजानसिंह गुलिया, आयुर्वेदाचार्य राजेन्द्रसिंह, मा. यशवन्त देशवाल, महिला सर्वखाप जिला अध्यक्षा बहन वीरमती, ब्रह्मकुमारी, बहन प्रेमलता, नहर स्वच्छता अभियानी शमशेर नहरा , कैप्टन जगबीर मलिक आदि ने विचार रखे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

समस्या | अधिकारियों के खिलाफ एक्शन न होने से लापरवाह बने अफसर

महम की सड़कों पर बने गहरे गड्ढे दे रहे हादसों को निमंत्रण

- क्या महम के अधिकारियों को हो गया कार्रवाई न होने का वहम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम शहर में आप जिधर देखेंगे वहीं पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आएंगे। सैमाण चुंगी, फरमाणा चुंगी, दशहरा ग्राउंड, नया बस स्टैंड चौक, रोहतक रोड, भराण रोड, गोहाना रोड, भैणीभैरों रोड यहां तक की शहर के अंदर भी हर जगह गड्ढे ही गड्ढे दिखेंगे। यहां तक की क्रांति चौक से नया बस स्टैंड रोड की सड़क पर भी जानलेवा गड्ढे हैं। हिसार दिल्ली नेशनल हाइवे नंबर 9 पर रेलवे स्टेशन मार्ग के पास और वहां पर बने एक पेट्रोल पंप से थोड़ा आगे भैणीमहाराजपुर की तरफ भी हाइवे पर गड्ढे हैं। यहां यह कह सकते हैं कि महम में बसने वाले और यहां आने जाने वाले लोगों की जिंदगी ही गड्ढा बन गई है और कभी भी किसी के साथ कोई भी हादसा हो सकता है। यही नहीं इन गड्ढों से किसी की जान भी जा सकती है। ये ज्यादातर गड्ढे जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही का नतीजा हैं। बाकि गड्ढे पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की ढिलाई की वजह से हैं। महम शहर के लोगों को सबसे ज्यादा शिकायतें जनस्वास्थ्य विभाग से हैं। क्योंकि शहर में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति नहीं की जा रही। दूसरा घरों में गंदे पानी की सप्लाई की जा रही है। तीसरा इस विभाग की लापरवाही की वजह से सीवरेज लाइनें बंद पड़ी रहती हैं। सीवरों के ढक्कन टूटे रहते हैं। स्टॉर्म वाटर पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों की लेवलिंग सही नहीं की जा रही। जगह जगह गड्ढे छोड़ दिए गए हैं। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से शहर व आस पास के इलाके में सड़कों पर बहुत अधिक गड्ढे हैं।

महम। फरमाणा चुंगी से सैमाण चुंगी रोड पर बने गड्ढे को दिखाते शहरवासी।

महम। गवर्नमेंट कॉलेज के सामने अनाज मंडी गेट पर बना गड्ढा।

महम। शहर के उत्तरी बाइपास पर सड़क पर बने गड्ढे को दिखाते स्थानीय नागरिक। फोटो :हरिभूमि

डीसी को लिखा पत्र

महम के जन अधिकार मंच और जागृति मंच ने इस संबंध में जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता को एक पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि महम शहर में लोग गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है। जगह जगह जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा पेयजल आपूर्ति के लिए बनाई गई वॉल्व चैम्बर खुले पड़े रहते हैं। पेयजल आपूर्ति का कोई टाइम टेबल ही नहीं है। जन अधिकार मंच के पदाधिकारी राजेश जिंदल ने कहा है कि शहर में जगह जगह खुले पड़े हैं, इन गड्ढों को तत्काल भरवाया जाना चाहिए।